मज्जा धातु (MAJJA DHATU)

Dr. Suman Ahuja
Associate Professor
Dept. of Kriya Sharir

Course Outcome

CO1 – मज्जा धातु की परिभाषा व उत्पत्ति को समझना।

CO2 – मज्जा के गुण, कार्य एवं उपधातु का वर्णन करना।

CO3 – मज्जा धातु के विकार एवं आधुनिक सम्बन्ध को जानना।

Program Outcome

PO1 – Basic Ayurvedic Anatomy knowledge प्राप्त करना।

PO2 – आधुनिक विज्ञान से तुलनात्मक समझ।

PO3 – Clinical application समझकर उपचार में प्रयोग करना।

Miller’s Pyramid

Knows (Knowledge): मज्जा धातु की संकल्पना, परिभाषा।

Knows How (Application): मज्जा के कार्य व विकार समझना।

Shows (Demonstration): Clinical correlation करना।

Does (Practice): रोगी में मज्जा धातु विकार की पहचान व प्रबंधन।

परिचय (Introduction)

मज्जा धातु सप्तधातु में पाँचवाँ स्थान रखती है।

आचार्य चरक ने कहा – **“मज्जा नाम स्नायु-अस्थि-अन्तः स्थितं मृदु पदार्थं”**

यह अस्थि धातु से उत्पन्न होकर अस्थि गुहाओं में स्थित नरम, स्निग्ध द्रव्य है।

इसका मुख्य कार्य अस्थि पूरण एवं बल प्रदान करना है।

परिभाषा (Definition)

संस्कृत परिभाषा –
“अस्थ्यन्तर्गतम् मृदु द्रव्यं मज्जा।” (सुश्रुत संहिता)

हिन्दी में –
अस्थि की गुहा (bone marrow cavity) में जो नरम, स्निग्ध एवं मृदु पदार्थ भरा रहता है,
उसे मज्जा धातु कहते हैं।

उत्पत्ति (Origin)

अस्थि धातु पोषक अंश से मज्जा का निर्माण होता है।

क्रम –

रस → रक्त → मांस → मेद → अस्थि → मज्जा

उपधातु रूप में स्नायु का भी निर्माण माना जाता है।

स्थान (Location)

आचार्यों ने मज्जा के स्थान बताए हैं –

अस्थि गुहा (Bone cavity)

अस्थि के अंदर का भाग (Bone marrow spaces)

आधुनिक दृष्टि से –

Long bones की medullary cavity

Flat bones एवं vertebrae की marrow

भेद (Types)

1. श्लेष्मल मज्जा (Yellow marrow) –

स्निग्ध, पिच्छिल, मेदयुक्त।

स्थूलकाय व्यक्तियों में अधिक।

2. रक्तमज्जा (Red marrow) –

रक्तोत्पादन हेतु उत्तरदायी।

बाल्यावस्था एवं दीर्घकालीन रक्तहानि की स्थिति में प्रमुख।

गुण (Properties)

गुण – गुरु, स्निग्ध, पिच्छिल, मृदु।

रस – मधुर।

वीर्य – शीत।

विपाक – मधुर।

दोष प्रभाव – मुख्यतः कफवर्धक।

विकार (Disorders)

अस्थि पूरण – अस्थि गुहा को भरना।

बलदायक – शरीर को स्थिरता व शक्ति देना।

अस्थि-पोषण – अस्थि को पोषण देना।

ओजवृद्धि – ओज में सहायक।

स्नायु-पोषण – स्नायु का निर्।

Modern correlation

मज्जा = Bone marrow

दो प्रकार –

Red marrow – RBC, WBC, Platelets का निर्माण।

Yellow marrow – Fat storage एवं conversion into red marrow.

आधुनिक दृष्टि से मज्जा का कार्य –

Hematopoiesis

Immunity regulation

Fat storage

Clinical Importance

मज्जाक्षय – हड्डियों की कमजोरी, ओज क्षीणता।

Bone marrow biopsy – आधुनिक निदान हेतु।

Rasayana therapy – मज्जा धातु वर्धन हेतु प्रयुक्त।